कारगर कदम उठाना

4. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह--क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2002-03 में 637 बसों की खरीद हुई थी, जिसमें से सिर्फ 270 बस ही रोड पर चल रही है, शेष 367 बसें छोटी-मोटी खराबी (हेडलाइट का बल्ब, बैट्री का पानी) के कारण खड़ी है;

(2) क्या यह बात सही है कि बसों के खड़े रहने के कारण वर्ष 2001-02 में 48.05 करोड़, वर्ष 2002-03 में 47.06 करोड़, 2003-04 में 47 करोड़, 2004-05 में 48 करोड़, 2005-06 में 50 करोड़ जबकि वर्ष 2006-07 में 51.06 करोड़ रुपये का घाटा बिहार राज्य पथ परिवहन निगम को हुआ;

(3) क्या यह बात सही है कि बिहार झारखंड के बंटवारे को लेकर बिहार सरकार को 27 करोड़ रुपये मिले, परन्तु उस पैसा का अभीतक उपयोग नहीं हो पाया;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त निगम को हो रहे घाटे के लिए जिम्मेवार व्यक्तियों के ऊपर कार्रवाई करने तथा घाटे से उबारने हेतु कारगर कदम उठाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चुनाव कराना

5. डॉ० अच्युतानंद--क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास (प्रा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के 70 हजार विद्यालय में शिक्षा समितियों के गठन का प्रस्ताव पिछले 2 वर्षों से लंबित है;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2010-11 में शिक्षा समितियों के चुनाव के लिए सरकार द्वारा 5 करोड़, 62 लाख रुपया का आवंटन किया जा चुका है;

(3) क्या यह बात सही है कि शिक्षा समितियों का चुनाव नहीं होने से राज्य में प्राथमिक शिक्षा सुचारू रूप से नहीं चल रही है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के 70 हजार विद्यालयों में शिक्षा समिति का चुनाव कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

6. डॉ० अच्युतानंद--क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास (मा०शि०) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अधीन 3776 प्रस्वीकृति के लिए प्रस्तावित तथा 711 प्रस्वीकृत संस्कृत विद्यालय है;

(2) क्या यह बात सही है कि नवम्बर, 2009 में बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड द्वारा उपरोक्त विद्यालयों की जाँच में अनियमितता पाये जाने के कारण वर्ष 2009-10 में मात्र पांच सौ संस्कृत विद्यालयों के 45 हजार छात्रों को ही मध्यमा की परीक्षा में बैठने की स्वीकृति मिली जबकि वर्ष 2008 में 1 लाख, 75 हजार छात्र परीक्षा में बैठे थे;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार फर्जी संस्कृत विद्यालयों की जाँच कर इसके संचालकों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 07 दिसम्बर, 2010 (ई०) ।

सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा,
सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि० स० मु० (एल० ए०), 84--डी०टी०पी०--450